

18⁰⁹ 18⁰⁹

आज पत्रा-पेशा हुईं वाही व उनसे वहील
 की उपस्थित नहीं हैं वाही व उनसे वहील
 की बार-बार आवाज लगवाई गई। परन्तु
 की उपस्थित नहीं आई। वाही व उनसे वहील
 की अदम हाजरी व अदम परती बखुबी साबित
 होती हैं। वाही का यह वाद-पत्र अदम हाजरी
 व अदम परती में खाशिय विद्या प्राप्त है। पत्रा-
 नम्बर से कम होकर वाद आवश्यक पूर्ति
 काबिल इफतह है।

सहायक कलेक्टर
 कावेर (कोटगुली-मयसेर)